कार्यालय प्राचार्य, शासकीय रामानुज प्रताप सिंहदेव
स्नातकोत्तर महाविद्यालय बैकुण्ठपुर,कोरिया (छ०ग०)
Ph. : 07836- 232252, E-mail. pgcollege.bkp@gmail.com

दिनांक– 19 नवम्बर 2016

–: सूचना :–

महाविद्यालय में अध्ययनरत नियमित समस्त छात्र/ छात्राओं को सूचित किया जाता है कि दिनांक 26 नवम्बर 2016, प्रातः 11 बजे कक्ष क्र0 07 में बौद्धिक सम्पदा, मानवाधिकार एवं पर्यावरण के विषय पर सेमीनार का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें सभी छात्र/ छात्राएं एवं प्राध्यापकगण अनिवार्यतः उपस्थित रहे।

Co-ordinator
IQAC
Govt.R.P.S.Dev P.G.College
Baikunthpur,Korea (C.G.)

PRINCIPAL
Shaskiya Ramanuj Pratap Singhdeo
Snatakottar Mahavidyalaya,
Baikunthpur, Korea (C.G.)

–: संगोष्ठी प्रतिवेदन :–

(बौद्धिक सम्पदा, मानवाधिकार एवं पर्यावरण)

आज दिनांक 26 नवम्बर 2016 को प्रातः 11 बजे कमांक–07 महाविद्यालय में अध्यापनरत नियमित विद्यार्थियों एवं प्राध्यापको अतिथि व्याख्याता हेतु बौद्धिक सम्पदा, मानवाधिकार एवं पर्यावरण विषय पर सेमीनार का आयोजन किया गया। सेमीनार के मुख्य वक्ता डॉ0 एम0 आर0 गोयल, विभागाध्यक्ष समाज शास्त्र शासकीय कन्या महाविद्यालय अम्बिकापुर रहे। सेमीनार केन्द्रीय विषय पर अपना उद्‌बोधन प्रारम्भ करते हुए डॉ0 गोयल ने सबसे पहले पेटेन्ट कॉपीराइट आदि विषय वस्तु के बारे में सारगर्भित चर्चा की और बौद्धिक सम्पदा के वास्तविक मन्तव्यों को समझाया। डॉ0 गोयल ने आगे बात करते हुए– मानवाधिकार पर भी अपने सारगर्भित विचार रखे जिसमें उन्होनें बताया कि मानव को मानवीय गरिमा के साथ जीवन जीने के हक को प्रदान किया जाना ही मानवाधिकार कहलाता है, और मानवाधिकार की प्रकृति सम्पूर्ण होती है अर्थात् मानवाधिकारों के संबंध में एक देश और दूसरे देश में मानवीय गरिमा के कारण अन्तर नहीं किया जाता। डॉ0 गोयल ने मानव अधिकार से संबंधित विभिन्न अधिनियमों के बारे में भी बताया जिसमें महिलाओं, बच्चों, जेल में बन्द कैदियों, वृद्धो हेतु बनाए गए कानूनों का जिक्र किया। उन्होनें भारत में मानव अधिकार के संरक्षण हेतु गठित संस्था राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग के गठन कार्य एवं शक्तियों के बारे में भी चर्चा की, और यह बताया कि राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग जैसे– संस्थाओं का निर्माण प्रत्येक राज्य स्तर पर भी किया गया है। जो मानव अधिकार का संरक्षण एवं निगरानी करता है।

पर्यावरण से संबंधित मुद्‌दों पर चर्चा करते हुए सबसे पहले डॉ0 गोयल ने पर्यावरण की चुनौतियों एवं उसकी गम्भीरता पर विद्यार्थियों का ध्यान आकृष्ट किया। जिसमें उन्होनें ग्लोबल वार्मिंग, अम्ल वर्षा, ओजोन परत, छिद्र, ग्लेशियरों का पिघलना आदि समस्याओं के माध्यम से पर्यावरण क्षरण की गम्भीरता से अवगत कराया। डॉ0 गोयल ने पर्यावरण से संबंधित अर्न्तराष्ट्रीय कानूनों एवं संधियों का भी उल्लेख किया– जिसमें पृथ्वी सम्मेलन 1992, स्टॉफ होम सम्मेलन 1972, रियो सन्धि आदि के बारे में जानकारी दी। पर्यावरण के नवीन पहलूओं जैसे– कार्बन क्रेडिट एवं कार्बन टैक्स आदि के बारे में भी बताया।

इस प्रकार डॉ0 गोयल ने सेमीनार के मुख्य विषय के बारे में भी विस्तार से चर्चा की एवं उसकी आवश्यक्ता को समझाया। इस प्रकार सेमीनार के केन्द्रीय विषय के सभी महत्वपूर्ण बिन्दुओं को बताते हुए उन्होंने अपने उद्‌बोधन को समाप्त किया। अन्त में सेमीनार के संयोजक डॉ० विजय प्रताप सिंह, सहायक प्राध्यापक वनस्पति शास्त्र ने मुख्य वक्ता सहित सेमीनार में शामिल सभी प्राध्यापको, अतिथि व्याख्ताओं का धन्यवाद ज्ञापित किया और छात्रों सहित सभी के लिए इसे अत्यन्त उपयोगी बताते हुए मुख्य अतिथि की अनुमति लेकर इस एक दिवसीय अन्तर विषयक संगोष्ठी के समापन की घोषणा की।

सयोजक

Co-ordinator
IQAC
Govt.R.P.S.Dev P.G.College
Baikunthpur,Korea (C.G.)

PRINCIPAL
Shaskiya Ramanuj Pratap Singhdeo
Snatakottar Mahavidyalaya,
Baikunthpur, Korea (C.G.)